अपने विचार का असर अपने पर

- ब्र.कु. नेहा

जहाँ पर अग्नि जलती है वहां तीन प्रकार का प्रभाव होता है। एक तो धुआँ बनता है जो वायुमण्डल में फैलता है, दूसरा आस पास के वातावरण को गरमाहट मिलती है, रोशनी फैलती है तथा जिस पदार्थ से अग्नि जल रही है वह वस्तु नष्ट हो रही है या परिवर्तन हो रही है। ऐसे ही हमारे सभी विचार जाने अनजाने जो भी हमारे मन में चलते हैं वह सात प्रकार से प्रभावित करते हैं .....

।) जिस व्यक्ति, वस्तु व लक्ष्य के बारे में हम सोचते हैं , हमारे विचार उन्हें प्रभावित करते हैं।

2) हमारे सभी विचार हमारे सूक्ष्म संस्कारों में रेकॉर्ड होते रहते हैं।

3) हमारे विचारों से हमारा स्थूल शरीर भी प्रभावित होता है। हमारा शरीर और कुछ

नहीं, सिर्फ विचारों का स्थूल रूप है। हर संकल्प तरल रूप में परिवर्तित होता रहता है। यह जो हमारे मुख में थूक बनती है, यह भी हमारे विचारों का स्थूल रूप है। जैसे ही हम निम्बू शब्द उच्चारते हैं तो हमारे मुख में एक स्लाइवा बनता है, जैसे कोई गुड़ की बात करे तो वैसा स्लाइवा बनता है। ये सब सूक्ष्म विचारों का स्थूल रूप में होता परिवर्तन है, और इसी से ही हमारा शरीर बनता है। चाहे वे अच्छे विचार हों या बुरे विचार। ये सारी निर्मित स्थूल तरलता ही हमारे शरीर का निर्माण करती है। अगर हम बुरे विचार करते हैं तो शरीर बीमारी के रूप से क्षीण होता है। अगर अच्छे विचार करते हैं तो शरीर हृष्ट-पुष्ट बनता है।

4) हमारे जो सबसे नज़दीक भाई-बहनें या सगे सम्बन्धी हैं, चाहे घर में हैं या बाहर, वे भी हमारे विचारों से प्रभावित होते हैं। जैसे कि पौधे के तने में पानी डालने से उसकी टाल-टालियाँ व आखिरी कोमल पत्ते में भी वो पानी पहुँच जाता है, ठीक वैसे ही हम जैसा सोचते हैं, उसका प्रभाव सूक्ष्म में हमारे साथ जुड़े सभी परिवार व सगे-सम्बन्धियों व नियरेस्ट और डियरेस्ट को सीधे रूप से प्रभावित करता है।

5) हमारे विचार उनको भी प्रभावित करते हैं जिनके हम पूर्वज रहे हैं..... पूरे 84 जन्मों में जो हमारे माँ-बाप थे, सास-ससुर, पति-पत्नी या बेटा-बेटी थे, उनके हम पूर्वज कहलाते हैं। वे लोग चाहे अब कहीं भी भिन्न भिन्न जन्मों में हैं और हम नहीं जानते कि वे कहाँ हैं, लेकिन हमारा हर संकल्प अनजाने में उनको भी पहुँचता है और वह उसी अनुसार प्रेरित होते हैं ।

6) जिन लोगों के हम मुखिया हैं जैसे परिवार, समूह, संघ, ऑफिस, दुकान, व्यापार, टीचर, प्रशासक, नेता, मालिक, कर्मचारी, पुजारी वा संस्था के मुखिया रूप में कहीं ना कहीं वे सब लोग भी हमारे विचारों से प्रभावित होते हैं।

7) हमारे वर्तमान परिवार के लोगों पर हमारे विचारों का तुरंत प्रभाव पड़ता है जिसे हम शांति व आशांति के रूप में महसूस करते हैं। जैसे कि कभी भाई की बात को परिवार में स्वीकार नहीं किया गया और वो प्रत्यक्ष रूप में गुस्सा तो कर नहीं पाता, लेकिन वह गुमशुदा होकर एक कोने में बैठा रहता है। वो बोलता भले ना हो, फिर भी उसके मन में चल रहे विचार का प्रभाव उस घर में, जो कि सहज ही नेगेटिव ऊर्जा के रूप में महसूस होता है। ऐसे ही यदि पिता की मनोस्थिति ठीक ना हो, भले वो ना बोले, लेकिन उसका सीधा प्रभाव उसके परिवार पर पड़ता है, जो कि हम महसूस कर सकते हैं। तभी तो कहते हैं कि आज पिताजी का मूड ठीक नहीं है, आज उनसे कोई भी बात नहीं करनी चाहिए। जब उनका मूड ठीक होगा, तभी बात करेंगे।

अभी संसार नहीं बदल रहा उसका कारण और कुछ नहीं सिर्फ हम मन से नहीं बदले हैं। हम सिर्फ बोलते अच्छा है, मन से वैसे नहीं हैं। इसलिये लोग भी बोलते अच्छा हैं, करते उल्टा हैं। जैसे कि आज कल ऐसे लोग भी मिल जाएंगे, जो चापलूस होते हैं, जो कि बोलते तो बहुत मीठा और मधुर हैं, लेकिन मन में वो भाव नहीं होता जो बोलते हैं। इसलिए जो भी परिणाम के रूप में होता है वह ठीक विपरीत होता है। इसीलिए तो कहते हैं कि 'शत्रु से तो मैं खुद ही निपट लूंगा, प्रभु मुझे प्रशंसकों से बचाइए।'

एक टीचर स्कूल में बच्चों को बीड़ी ना पीने की शिक्षा दिया करता था। उसका सारे स्कूल में बहुत मान था। एक दिन उसने देखा कि कुछ बच्चे छिप कर बीड़ियाँ पी रहे थे। वह दुखित था, परंतु गहराई से सोचने पर उसने पाया कि वो खुद छिप कर बीड़ी पीता था।

याद रखें कि आपका जीवन औरों के लिए प्रेरणा दायक है । लोग वह बनते हैं जो आप वास्तव में हैं ना कि वह जो आप बोलते वा सिखाते हैं।

आपके नकारात्मक संस्कार भी सभी पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं ।

- यदि आप डरपोक हैं, आलसी हैं, स्वार्थी हैं, पक्षपाती हैं या फिर केवल प्रचारक हैं, योगी नहीं क्रोधी हैं, शांत नहीं ईर्ष्यालु हैं, स्नेही वा सहयोगी नहीं हैं, तो आपको मानने वाले वही बनेंगे जो आप वास्तव में हैं.... चाहे आप कितना भी स्वयं को छिपा लें।

इसलिये अपने मूल गुणों शांति, प्रेम, सुख, आनंद के संकल्पों में रहिए क्योंकि बिना जाने भी लोग आपके विचारों के माध्यम से आपसे प्रभावित हो रहे हैं।

आपके शुद्ध सात्विक विचारों की खुशबू सारे वातावरण को महकाती है। यह भी महान सेवा है।

ऐसे बोलचाल में हम कहते हैं कि किसी के बारे में अशुभ ना बोलो, ना ही अशुभ सोचो। अत: हम जो हैं उसको हम जानें और हम जो चाहते हैं उसी को क्रियान्वित करें। हम क्या हैं, हम सत् चित् आनंद स्वरूप हैं। सत् माना सात गुण- सुख, शांति, प्रेम, आनंद, ज्ञान, शक्ति, पवित्रता, इस समूह का नाम ही आत्मा है। हमारे और हर इंसान की ख्वाहिश या इच्छा भी ये है कि ये सारी चीज़ें हमारे जीवन में प्रचुर मात्रा में बनी रहे। तो हमें सूक्ष्म में हमारे भाव व मन के अंदर चलने वाले संकल्प की तरंगों को उसी दिशा में मोड़ना होगा जो हम चाहते हैं। तो संकल्प का कितना बड़ा महत्व है, उसी महत्व को समझ कर उसका सृजन करना है और दूसरों के प्रति वैसा ही भाव अर्थ सहित देना है।

रूरा-उ.प्र.। शिव जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए सांसद अनिल शुक्ला वार्सी। साथ हैं ब्र.कु. सरोज, रामजी गुप्ता,बी.जे.पी. जिला संयोजक, ब्र.कु. करुणा, ब्र.कु. प्रीति, ब्र.कु. प्रेम तथा अन्य।

पौड़ी गढ़वाल-उत्तराखण्ड। महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. गोपी,माउण्ट आबू। साथ हैं प्राचार्य पाण्डे जी, ब्र.कु. ज्योति तथा बैंक प्रबंधक अजय पोखरियाल।

फरीदाबाद-संजय एन्क्लेव। महाशिवरात्रि पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए संतोष यादव,प्रेसीडेंट,भारतीय प्रवासी परिषद,हरियाणा, ब्र.कु. उषा, ब्र.कु. ज्योति, ब्र.कु. पूजा तथा अन्य।

रूपवास-राज.। महाशिवरात्रि पर आयोजित शिव संदेश यात्रा में ए.एच.ओ. अर्पण चौधरी को ईश्वरीय साहित्य व सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. बबिता तथा ब्र.कु. गीता। साथ हैं प्रिन्सीपल शिशुपाल राजावत, ब्र.कु. मिठ्ठन तथा अन्य।

दिल्ली-सीता राम बाज़ार। महाशिवरात्रि के कार्यक्रम में खुशनुमा जीवन विषय पर सम्बोधित करते हुए डॉ. मोहित गुप्ता। साथ हैं विमला नागर,सहायक प्रबंधक,एस.बी.आई., विनोद गुप्ता, सत्य नारायण जी, प्रदीप शर्मा, ब्र.कु. विमला, ब्र.कु. सुनीता तथा ब्र.कु. संगीता।

जयपुर-गलता गेट। महाशिवरात्रि पर आयोजित झाँकी का उद्घाटन करने के पश्चात् चित्र में मुख्य अतिथि श्री गुरूदेव गोविंद महाराज जी, एस.एच.ओ.,सी.आई. सुरेन्द्र कुमार, ब्र.कु. देविका तथा अन्य।

कोटा-वल्लभनगर-राज.। 81वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए इनकमटैक्स कमिश्नर डॉ. रनसिंह। साथ हैं ब्रह्माकुमारी बहनें।

मेरठ-शास्त्रीनगर। महाशिवरात्रि के कार्यक्रम में ब्र.कु. आशा द्वारा प्राप्त ईश्वरीय सौगात के साथ चित्र में ट्राफिक पुलिस एस.पी. किरण यादव, महिला पहलवान अल्का तोमर, विधायक रविन्दर भदाना, नगर निगम अध्यक्ष पंकज कटेरा तथा अन्य।